ता० 06/5/2020
डॉ० तुलिका ...
दर्शनशास्त्र
आर० एस० एम० कॉलेज
...।

बी.ए.(H) फिलॉसफी

Date
Page (1)

बुद्धिवाद तथा अनुभववाद में अन्तर

ज्ञानमीमांसा के रूप में बुद्धिवाद और अनुभववाद में जो अन्तर है उन्हें निम्न तालिका द्वारा संक्षेप में सुस्पष्ट किया जा सकता है :—

अनुभववाद	बुद्धिवाद
1. अनुभववाद के अनुसार ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा विषय के अनुभव से अर्जित होता है	1. बुद्धिवाद के अनुसार ज्ञान अर्जित नहीं अपितु बुद्धि में जन्मजात प्रत्ययों द्वारा होता है।
2. ज्ञान का आधार अनुभव है	2. ये बुद्धि को ज्ञान का आधार मानते हैं।
3. सत्य अनुभव सापेक्ष होता है	3. सत्य ज्ञान में ही होता है।
4. सत्य प्रत्यय अनुभव से अर्जित होते हैं।	4. सत्य प्रत्यय अनुभवजन्य नहीं अपितु जन्मजात होते हैं।
5. मन ज्ञान में निष्क्रिय है	5. मन ज्ञान में सक्रिय है।
6. ज्ञान का प्रमाण प्रत्यक्ष है	6. ज्ञान का प्रमाण बुद्धि है
7. बुद्धि के पास ऐसा कुछ नहीं जो पहले इन्द्रियों में न हो।	7. इन्द्रियों के पास ऐसा कुछ नहीं होता जो पहले बुद्धि में न हो।
8. अनुभव की सीमा ही ज्ञान की सीमा है।	8. बुद्धि की सीमा ही ज्ञान की सीमा है।
9. प्रत्यय अनुभव द्वारा अर्जित होते हैं।	9. प्रत्यय जन्मजात होते हैं।